रजि. 2199-57 ✻ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ✻ अप्रैल-जून, 2025

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-70 अंक : 02

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.

Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com

http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड परिसर में योग कार्यक्रम आयोजित

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून, 2025 को प्रातः 06:00 बजे सुभाष हॉल में योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की सभी इकाईयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें योगाभ्यास कराते हुए नियमित योग-अभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक थीम निर्धारित की जाती है। इस बार की थीम **'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग'** है। योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इसलिए 'सभी करो योग और रहो निरोग' के मंत्र को अपनाकर सभी नियमित योग करें। इस अवसर पर प्रतिभागियों को टी-शर्ट भी बाँटी गयीं।

□□□

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

डॉ. वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी का यह शैक्षणिक वर्ष (2025-26) 01 अप्रैल 2025 से शुरू हुआ। इस शैक्षणिक सत्र में अकादमी में कक्षा नर्सरी से कक्षा 10 तक कुल 662 छात्र-छात्राएँ हैं। इसके साथ ही 16 योग्य और समर्पित शिक्षक भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। स्कूल दिनांक 25 जून, 2025 को कक्षा 8 के लिए तथा लगभग एक सप्ताह के पश्चात गर्मी की छुट्टियों के बाद दिनांक 01 जुलाई को नर्सरी से कक्षा 8 तक के लिए स्कूल फिर से खुल जाएगा।

शैक्षिक गतिविधियाँ : कंप्यूटर शिक्षा हेतु छात्र-छात्राओं ने कम्प्यूटर लैब में अपने शिक्षक के निर्देशन में प्रैक्टिकल किया, जिससे कि वे इसका प्रयोग अपने दैनिक जीवन में करना सीख सकें। इस सत्र (2025-26) में कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए 21 मई 2025 से 21-17 जून 2025 तक एक बुनियादी कम्प्यूटर कोर्स भी आयोजित किया गया।

अन्य गतिविधियाँ : छात्रों को कक्षा गतिविधि के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्य दिए जाते हैं। जैसे कहानी सुनाना, कविता लिखना और कविता को अर्थपूर्ण शब्दों में व्यवस्थित करना आदि। पाठ के प्रत्येक अध्याय के बाद छात्रों को प्रश्न लिखने को कहा जाता है, जिससे उनमें विभिन्न स्थितियों के अनुरूप उच्च स्तरीय चिन्तन क्षमता विकसित हो सके।

नियमित टेस्ट : कक्षा में पढ़ाए गए पाठों का फीडबैक लेने के लिए स्कूल में समय-समय पर परीक्षा ली जाती है। इससे छात्र-छात्राओं द्वारा की गई प्रगति क आकलन सुगमता से हो जाता है।

गत वर्ष का हाई स्कूल परिणाम : अकादमी के 39 छात्रों का एक समूह सत्र 2024-25 की यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा में सम्मिलित हुआ। अकादमी के सभी छात्र अच्छे नम्बरों से उत्तीर्ण हुए। इनमें से तीन छात्र क्रमशः (1) खुशबू-85.6 (2) अनुष्का सेन-83.8 तथा (3) अफसाना खान ने-83.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

मूल्यांकन : परीक्षा एक सतत प्रक्रिया है। इसमें प्रत्येक छात्र वास्तव में क्या समझता है और क्या कर सकता है, इसका प्रमाण एकत्र किया जाता है। यह छात्र के प्रदर्शन और प्रगति को निर्धारित करने के लिए आज की शिक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शैक्षिक सत्र के प्रत्येक माह में छात्रों की मासिक परीक्षा आयोजित की जाती है। इससे छात्रों के प्रतिमाह की शैक्षिक गुणवत्ता का मूल्यांकन होता है। इस सत्र में प्रथम यूनिट टेस्ट मई के महीने में 5 मई से 8 मई, 2025 के मध्य आयोजित किया गया।

कार्यक्रम/अलंकरण समारोह : वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों का अलंकरण समारोह दिनांक 17.05.2025 को आयोजित किया गया। छात्रों में से हेड ब्वाय और हेड गर्ल के साथ ही परिषद के लिए चार हाउस कैप्टन भी नामित किए गए। इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के माननीय अध्यक्ष और सम्माननीय निदेशक महोदया ने चयनित छात्रों को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस प्रकार नई छात्र परिषद निम्न प्रकार चयनित की गई है-

हेड ब्वाय	-	विश्वास यादव, कक्षा-10
हेड गर्ल	-	उम्मे हबीबा, कक्षा-10
हाउस कैप्टन (लाल)	-	सृष्टि बरनवाल, कक्षा-9
हाउस कैप्टन (नीला)	-	शिवानी कुमारी, कक्षा-9
हाउस कैप्टन (हरा)	-	तस्मियान नूर, कक्षा-8
हाउस कैप्टन (पीला)	-	अनन्या सिंह, कक्षा-8

इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से कक्षा 9 के विद्यार्थियों को अपनी-अपनी कक्षाओं में सर्वाधिक उपस्थिति के लिए माननीय चेयरमैन, आई.एल.बी. श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) तथा निदेशक आई.एल.बी. सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कक्षा-3 की छात्रा अनन्या मिश्रा को निदेशक आई.एल.बी. द्वारा प्रमाण-पत्र के साथ विशेष पुरस्कार भी दिया गया।

ईच वन टीच वन : ईच वन टीच वन कार्यक्रम एक पढ़ाए एक की थीम पर आधारित है, जिसका उद्देश्य सामाजिक रूप से साक्षरता और शिक्षा का प्रसार करना है। इसमें एक साक्षर व्यक्ति द्वारा किसी ऐसे व्यक्ति को पढ़ाए जाने की परिकल्पना की गई है, जो साक्षर नहीं है। इस कार्यक्रम का प्रारम्भ आईएलबी परिसर के विवेकानन्द हाल में श्री सुधाकर मानसिंह, प्रशासनिक अधिकारी, आईएलबी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन एकेडमी के कक्षा एक से आठ तक के 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि वे किस प्रकार कदम दर कदम लोगों को पढ़ा सकते हैं। माननीय अध्यक्ष आईएलबी, श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आईएएस (से.नि.) और निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) आई.एल.बी. ने भी बच्चों से बातचीत की और अपने विचार साझा किए तथा असाक्षरों को पढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है। जिसमें छात्र दिन-प्रतिदिन की कार्य प्रगति और फोटो शेयर कर रहे हैं। जिससे यह पता चलता है कि वे किस असाक्षर को पढ़ा रहे हैं। इस प्रकार अकादमी के छात्र-छात्राएँ निरन्तर ईच वन टीच वन कार्यक्रम के अन्तर्गत अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

सह-पाठ्यचर्या/अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियाँ : स्कूल में पाठ्येत्तर गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं। इससे छात्रों को पढ़ाई के अलावा अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। पूरे सत्र के दौरान उत्सव, महत्वपूर्ण दिन और त्यौहारों के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। इस क्रम में दिनांक 12 मई 2025 को मदर्स डे मनाया गया। इस दिन छात्रों ने बहुत उत्साह से माँ के लिए सुन्दर कार्ड बनाए और अपनी माँ के लिए प्यारे गीत गाए।

विश्व पर्यावरण दिवस : दिनांक 5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस पर आनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें छात्रों ने मानव जाति के कल्याण के लिए स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व पर जागरूकता फैलाने के लिए सुन्दर चित्र बनाए और स्लोगन लिखे। छात्रों ने अपने आस-पास की जमीन पर पौधे भी लगाए। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष, निदेशक एवं प्रबन्धन के प्रति विद्यालय आभार व्यक्त करता है, कि वह शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के हित के लिए निरन्तर अपना भरपूर सहयोग प्रदान करते हैं।

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर एवं नीवां की गतिविधियाँ

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर

बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र की स्थापना वर्ष 1968 में युवा किसान विद्यापीठ के नाम से की गई थी। इसमें स्थानीय युवा किसानों को ऊसर सुधार तथा उन्नत खेती का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता था। आख्यागत माह अप्रैल से जून 2025 में बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र के 28 एकड़ क्षेत्रफल पर धान की फसल प्रस्तावित है। जिसकी तैयारी के क्रम में धान की रोपाई का कार्य चल रहा है। प्रक्षेत्र पर इफको के सहयोग से 01 एकड़ क्षेत्रफल में नैनो डी.ए.पी. का प्रयोग कर धान की रोपाई का कार्य कराया जा रहा है।

❑❑❑

कृषि प्रक्षेत्र नीवां

कृषि प्रक्षेत्र नीवां में कृषि कार्यों के साथ ही स्थानीय कृषकों को कृषि की नई तकनीकी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर प्रदान किया जाता है। वर्तमान में नीवां कृषि प्रक्षेत्र के 15 एकड़ के क्षेत्रफल में धान की बुवाई कराई जा रही है। इसके साथ ही दो एकड़ क्षेत्रफल में इफको के सहयोग से नैनो डी.ए.पी. का प्रयोग करते हुए धान की रोपाई कराई गई है। कृषि प्रक्षेत्र पर प्रायोगिक रूप से एक एकड़ क्षेत्रफल में वायर सीड्स कम्पनी के सहयोग से लाइन टू लाइन धान की रोपाई का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त के अतिरिक्त कृषि प्रक्षेत्र पर ड्रोन के माध्यम से धान, चरी, गन्ना आदि फसलों में नैनो यूरिया कल्चर रसायन आदि का छिड़काव कराया जा रहा है।

❑❑❑

केन्द्रीय पुस्तकालय

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-2026 के आख्यागत माह में केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा सम्पादित किए गए कार्य निम्नवत् है –

माह अप्रैल, 2025 से माह जून, 2025 तक 164 पुस्तकों की इंट्री लाइब्रेरी साफ्टवेयर पर की गई। इस प्रकार कुल 51433 पुस्तकों की प्रवृष्टि लाइब्रेरी साफ्टवेयर पर हो गई है।

माह अप्रैल, 2025 से जून, 2025 तक अद्यतन पुस्तकों की लाइब्रेरी साफ्टवेयर पर इन्ट्री करने के पश्चात पुस्तको को क्रमवार रैको में प्रतिस्थापित भी किया गया ।

लगभग 300 पुस्तकों का क्लासिफिकेशन किया गया। इसके साथ ही 100 पुस्तकों पर एसेशन नम्बर डाला गया।

माह अप्रैल से जून 2025 के मध्य लगभग 200 पुस्तकों की बाइंडिंग करवाई गई ।

आख्यागत माह अप्रैल, 2025 से जून, 2025 के मध्य 23 नए सदस्यों द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय में सदस्यता प्राप्त की गई। इस प्रकार वर्तमान में पुस्तकालय के कुल सदस्यों की संख्या 44 हो गई है।

आख्यागत माहों में आने वाले पाठकों एवं वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों की संख्या औसतन 900 रही ।

□□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र.	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	सुश्री सुषमा ढौडियाल, वरिष्ठ सहायक	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री देवी प्रसाद, प्लम्बर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 90 बैच संचालित किए जाने की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके सापेक्ष कुल 1800 प्रतिभागियों को विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षित किया जाना है। जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा आख्यागत त्रैमास में 12 बैचों का संचालन प्रारम्भ कर दिया है। क्रमानुसार शेष बैच भी निर्धारित समयावधि में संचालित कर लिए जाएंगे। संचालित 12 बैचों में असिस्टेंट ड्रेस मेकर के 04, असिस्टेंट कम्प्यूटर आपरेटर के 02, ब्यूटी केयर असिस्टेंट के 03, दर्जी एडवान्स के 01 तथा कम्प्यूटर कान्सेप्ट्स का 01 बैच संचालित किया जा रहा है। इन संचालित बैचों के सापेक्ष कुल 240 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवसः जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के प्रशिक्षण केन्द्र न्यू आजाद नगर में दिनांक 07 अप्रैल, 2025 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने संस्थान के प्रतिभागियों को बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान एवं बीमारियों के लिए रोकथाम के प्रति जागरुकता फैलाना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्वास्थ हमारे लिये सबसे बड़ी दौलत है। एक स्वस्थ इंसान ही इस धरती पर सबसे सुखी है।

उन्होंने बताया कि हमें स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता भी अत्यन्त आवश्यक है। हमें अपने निवास एवं कार्य स्थल को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ पनप रही बीमारियों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक भी करना है।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में दिनांक 01 मई, 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर दिवस भारत और पूरी दुनिया में श्रमिकों के अधिकारों का प्रतीक दिन है। इस दिन का इतिहास संघर्ष का प्रतीक है। यह दिन उन मेहनतकश लोगों को समर्पित है जो हमारे समाज और देश के निर्माण में अपनी अमूल्य भूमिका निभाते हैं। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, उनके योगदान को सम्मान देना और उन्हें एक बेहतर कार्य वातावरण देना है। इस दिन की शुरुआत 19वीं सदी में अमेरिका के शिकागो शहर से हुई। जब मजदूरों से 12 से 16 घंटे तक बिना किसी छुट्टी और सुविधा के काम कराया जाता था। इस शोषण और अमानवीय व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाते हुए 1 मई, 1886 को शिकागो के हेमार्केट में हजारों मजदूरों ने आन्दोलन किया था। इसमें उन्होंने 8 घंटे के कार्यदिवस की माँग की। भारत में मजदूर दिवस पहली बार 1923 में चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में मनाया गया था। इसका श्रेय कामगार नेता सिंगारवेलु चेट्टियार को जाता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रगति की नींव हमारे मजदूर ही हैं। चाहे वह सड़कें बनाने वाले मजदूर हों, भवन निर्माण में लगे लोग हों, खेतों में पसीना बहाने वाले किसान हों, फैक्ट्रियों में दिन-रात काम करने वाले कर्मचारी हों, या फिर छोटे दुकानदार और सफाई कर्मचारी। हर मजदूर अपने-अपने स्तर पर समाज को आगे ले जाने में अपनी सहभागिता निभा रहा है। कार्यक्रम में

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री सुनील कुमार शुक्ला, रुचि गुप्ता, मनोज कुमार पाण्डेय, निशात फातिमा उपस्थित रही।

विश्व पर्यावरण दिवसः दिनांक 05 जून, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री अतिश दीपांकर, प्रभारी (सम्पदा), उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम, कानपुर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, डी.बी.एस.कालेज, कानपुर एवं श्री डी.पी.सिंह, शाखा प्रबन्धक, यू.पी.एफ.सी. ब्रांच, पंजाब नेशनल बैक, कानपुर द्वारा छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अतिश दीपांकर ने हरे वृक्षों के महत्व को बताते हुए सभी लोगों को अपने आस-पास स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा सम्मेलन के आधार पर पहला विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 1973 को मनाया गया था। उन्होंने प्लास्टिक के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने हेतु प्रेरित किया।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने प्रशिक्षणार्थियों को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह दिन हमें प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को याद दिलाता है। हम सबको मिलकर सब प्रकार के प्रदूषण का अन्त कर एक स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त समाज का निर्माण करना है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवसः जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में दिनांक 21 जून, 2025 को प्रातः 07:00 बजे 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगा-अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षिका प्रीति गुप्ता द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को सूर्य नमस्कार, तॉड़ आसन, वीर आसन, भ्रामरी, कपालभाती, प्राणायाम, तितली आसन, चक्की आसन, त्रिकोण आसन, पर्वत आसन आदिं कराकर निरोगी काया के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल

किशोर श्रीवास्तव, सहायक कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार शुक्ला, मनोज कुमार पाण्डेय, प्रशिक्षिका शिखा शर्मा, निशात फातिमा सहित असिस्टेंट कम्प्यूटर आपरेटर एवं ब्यूटी केयर असिस्टेंट के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रमः जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्ण हो चुके ब्यूटी केयर असिस्टेंट एवं असिस्टेंट कम्प्यूटर आपरेटर के प्रशिक्षणार्थियों को दिनांक 21 जून, 2025 को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरण के उपरान्त ब्रोश्योर के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनओं की जानकारी प्रदान की गयी, जिससे वह ऋण लेकर स्वयं का व्यावसाय कर सकें।

स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रमः जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के बक्तौरीपुरवा, नौबस्ता स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा 'स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन दिनांक 26 जून, 2025 को किया गया। कार्यक्रम में सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज (इण्डिया) लिमिटेड, उ.प्र. के असिस्टेंट मैनेजर, श्री देवेशधर दुबे द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को म्यूच्यूअल फण्ड में निवेश करने की जानकारी प्रदान करते हुए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्रदान की गयी। स्मार्ट ट्रेनर श्री ओंकार पाल द्वारा संस्थान के लाभार्थियों को निवेश सम्बन्धी जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही बैंक ई-केवाईसी, डिजिटल लेन-देन की जानकारी लाभार्थियों संग साझा की गयी। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के मनोज कुमार पाण्डेय, प्रशिक्षिका श्रीमती संतोष कुमारी, क्षमा देवी एवं संस्थान के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

विश्व श्रमिक दिवस आयोजन : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा दिनांक 01 मई 2025 को अमृतानन्दमई कालेज आफ हायर एजुकेशन मोहनलालगंज में संस्थान के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई. ए. एस.(से.नि.) के मार्गदर्शन में विश्व श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की मातृ संस्था इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन जी ने लाभार्थियों को जागरूक करते हुए बताया कि यह दिन मजदूरों व श्रमिक वर्ग की उपलब्धियों को और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को सलाम करने का दिन है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों की उपलब्धियों का सम्मान करना और उनके द्वारा किये गए योगदान को याद करना है। यह दिन मजदूरों को संगठित कर आपसी एकता मजबूत करने के लिए और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए भी है।

प्रमाण पत्र वितरण : संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि कौशल विकास मजदूरों के लिए आजीविका का साधन बन सकता है। जन शिक्षण संस्थान की विभिन्न विधाओं में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभार्थी रोजगार एवं स्वरोजगार के प्रति प्रेरित हो रहे हैं। सभी श्रमिक अपने अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आपसी सद्भाव को बनाते हुए राष्ट्र की उन्नति में योगदान दें रहे हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अमृतानंदमई कालेज आफ हायर एजुकेशन की हेड आफ डिपार्टमेंट डॉ. प्राप्ति दीक्षित ने कहा कि कौशल विकास और शिक्षा एक दूसरे के पूरक हैं। सभी शैक्षिक संस्थाओं को कौशल विकास के आयामों की सहायता लेकर छात्रों के विकास पर नीतिगत तरीके से प्रारूप तैयार कर कार्य करना चाहिए जिससे छात्र स्वावलम्बी बन सकें। कार्यक्रम वर्ष 2024-25 में संचालित असिस्टेंट कम्प्यूटर आपरेटर, असिस्टेंट ड्रेस मेकर, ड्राइविंग असिस्टेंट के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने मंच संचालन किया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस : दिनांक 31 मई 2025 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में वन स्टाप सेंटर परिसर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह ने सभी लाभार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि तम्बाकू, सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। यह कई गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग आदि का कारण बन सकता है। अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले समय में लगभग 8 मिलियन से अधिक लोग अनेक गम्भीर बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा हर साल मई के अन्त में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाये जाने की घोषणा की गयी।

विश्व पर्यावरण दिवस : दिनांक 05 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण, स्वच्छता श्रमदान, पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी का आयोजन हुआ। यह आयोजन विकास खण्ड मोहनलालगंज एवं साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। युवाओं ने मिलकर आजाद मैदान में पौधारोपण किया व प्राथमिक विद्यालय कनकहा परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने

युवाओं को पर्यावरण की उपयोगिता एवं सतत् विकास के लिए प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

इसी क्रम में साक्षरता निकेतन परिसर में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र में पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को वायु प्रदूषण से रोकथाम के उपायों एवं पौधरोपण की उपयोगिता के प्रति जागरूक किया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन एवं प्रमाण पत्र वितरणः कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान लखनऊ द्वारा दिनांक 07 अप्रैल, 2025 को प्रशिक्षण केन्द्र कमला प्रोडक्शन सेन्टर खुजौली में संस्थान के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई. ए. एस.(से.नि.) के मार्गदर्शन में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जन शिक्षण संस्थान लखनऊ की मातृ संस्था इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया के सामने आने वाले गम्भीर स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए समर्पित है। इस बार, 2025 के लिए इसकी थीम 'स्वस्थ शुरुआत, आशाजनक भविष्य' रखी गया है। संस्थान के निदेशक श्री प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि यह दिवस विभिन्न उद्देश्यों के साथ मनाया जा रहा है, जिसमें

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-70, अंक : 02
अप्रैल-जून, 2025

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

आम जनता को सेहत, हेल्थ केयर, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तथा नई जनरेशन को 'हेल्दी लाइफस्टाइल' के लिए प्रेरित करना आदि प्रमुख हैं। कार्यक्रम के अन्त में ब्यूटी केयर असिस्टेंट, असिस्टेंट ड्रेस मेकर, जूट क्राफ्ट प्रोडक्ट मेकर के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए उन्हें व्यवसाय करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने मंच संचालन करते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान व लोन सम्बन्धी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्थान के अकाउंटेंट कम मैनेजर श्री आई. पी.गुप्ता, प्रशिक्षिका शिप्रा श्रीवास्तव, राजेश्वरी व विकास ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। ◻◻◻

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21 जून, 2025 के अवसर पर ग्राम कोरुवा, विकास खण्ड, कालसी, देहरादून में योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोरुवा के ग्राम प्रधान श्रीमती निशा तोमर जी, योग प्रशिक्षिका सुश्री आस्था तोमर, उत्तराखण्ड पुलिस से सेवानिवृत्त श्री धन सिंह तोमर, जन शिक्षण संस्थान के कार्यकर्ता व प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी तथा स्थानीय लागों के साथ ही बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम मे सर्व प्रथम संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएँ दी और बताया कि इस वर्ष का योग दिवस हमारी पृथ्वी और स्वास्थ्य को समर्पित है। उन्होने योग दिवस पर सभी से आग्रह किया गया कि हम सभी को नियमित रूप से अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर योग प्रशिक्षका सुश्री आस्था तोमर द्वारा सभी को योग के बारे में जानकारी दी गई। सभी से यह आह्वान किया गया कि हम सभी को अपने दिनचर्या में निश्चितरूप से योग को अपनाना चाहिए। योग से हमारी काया निरोग रहती है। उपस्थित लोगो के समक्ष योग की विभिन्न मुद्राओं व आसनों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि योग ही ध्यान का अभ्यास करने में मदद करता है और तनाव से राहत दिलाता है। योग स्वास्थ्य की सुरक्षा और सतत स्वास्थ्य विकास के बीच एक कड़ी प्रदान करता है। इसलिए हमें नियमत रूप से योग का अभ्यास करना चाहिए और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग प्रशिक्षिका सुश्री आस्था तोमर द्वारा योग की विभिन्न मुद्राओं के साथ कपालभाती, अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, सूर्य नमस्कार प्राणायाम के साथ-साथ कई आसनों जैसे सिद्धासन, पद्मासन, बज्रासन व सिंहासन आदि का अभ्यास भी कराया गया। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर और मन के लिए योग बहुत जरूरी है। योग व प्राणायाम करने से मानव शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का मकसद लोगों के बीच योग को बढ़ावा देना है।

योग का अभ्यास शरीर को रोगमुक्त रखता है और साथ ही मन को भी शान्ति प्रदान करता है। भारत में ऋषि-मुनियों के दौर से ही योगाभ्यास होता आ रहा है। भारत ने योग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर योग के जरिये सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रमः जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 24.04.2025 को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रमाण पत्र वितरण का यह कार्यक्रम भवानी शंकर मन्दिर परिसर सभागार, पटेल नगर, देहरादून में आयोजित किया गया। इसमें विकास खण्ड रायपुर के अन्तर्गत संचालित केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भवानी शंकर मन्दिर समिति के प्रबन्धक श्री मुकेश डबराल जी, सेवा भारती संस्थान की कार्यकर्ता सुश्री सुमनलता जी, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल सहित संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता एवं

प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के आरम्भ में सर्वप्रथम, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर चर्चा किया। मुख्य अतिथि श्री मुकेश डबराल ने अपने सम्बोधन में संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का कहना है कि आज के समय में सभी को किसी न किसी कौशल का ज्ञान होना आवश्यक है।

प्रमाण पत्र वितरण के इसी क्रम में दिनांक 20.05.2025 को वर्ष 2024-25 के संचालित केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को बाड़वाला, सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सूबेदार व समाजसेवी श्री बल बहादुर जी ने प्रमाण पत्र देकर लाभार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया।

विकास खण्ड, डोईवाला के अन्तर्गत संचालित केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को बालावाला, सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 21.05.2025 को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुश्री पुष्पा बड़थ्वाल जी, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री लक्ष्मी रावत, श्री राय सिंह नेगी, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल जी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता श्रीमती ज्योति पंत, सुश्री सीमा नेगी, श्री संजय धीमान, श्रीमती रश्मि धीमान व प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर संदर्भदाता सुश्री सीमा नेगी, सुश्री ज्योति पंत ने प्रशिक्षण के दौरान के अपने-अपने अनुभव साझा किए। सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सरकार द्वारा प्रदत्त ऋण योजनाओं की जानकारी साझा की।

डाक जीवन बीमा पॉलिसी

डाक जीवन बीमा के बारे में जानने से पहले हम यह जान लें कि बीमा क्या होता है। वस्तुतः बीमा वह अनुबन्ध है जो किसी बीमित व्यक्ति की असामयिक मृत्यु होने पर उसके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। बीमा कराने के लिए सम्बन्धित व्यक्ति को एक निश्चित धनराशि का भुगतान बीमा करने वाले विभाग को अदा करना होता है। बीमा कराने से पहले व्यक्ति को अपनी वित्तीय स्थिति, पारिवारिक स्थिति आदि को देखते हुए यह तय करना होता है कि उसे कितना जीवन बीमा कराना आवश्यक है।

बीमा भी कई प्रकार के होते हैं। जहाँ तक जीवन बीमा की बात है, यह मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक टर्म जीवन बीमा और दूसरा स्थायी जीवन बीमा। टर्म जीवन बीमा कुछ सीमित समय के लिए ही बीमा कवरेज प्रदान करता है, जैसे- 10, 20 अथवा 30 वर्ष के लिए। यह बीमा अन्य पालिसियों की अपेक्षा सस्ता होता है। दूसरे प्रकार का बीमा स्थायी जीवन बीमा है। यह व्यक्ति को उसके जीवन पर्यन्त बीमा कवरेज प्रदान करता है। इसके अन्तर्गत बीमित व्यक्ति की पालिसी की समयावधि के भीतर मृत्यु होने पर पालिसी धारक को पालिसी की मेच्योरिटी पर अथवा उसकी मृत्यु पर उसके द्वारा नामित व्यक्ति को बीमित धनराशि प्राप्त होती है।

डाक जीवन बीमा योजना इसी प्रकार की योजना है जिसमें पालिसीधारक को उसके पूरे जीवन में कवरेज प्राप्त होता है। पालिसी अवधि के भीतर पालिसीधारक की मृत्यु होने पर पालिसी के नामित व्यक्ति को मृत्यु लाभ राशि का भुगतान वांछित प्रक्रिया पूर्ण करने पर दिया जाता है।

डाक जीवन बीमा योजना : इसे पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) भी कहते हैं। यह भारत सरकार द्वारा संचालित

एक योजना है। इस योजना में सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारियों के लिए लाइफ इंश्योरेंस लाभ प्राप्त होता है। पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस पालिसीधारक को समएश्योर्ड पर लोन का लाभ उठाने का विकल्प भी प्राप्त होता है।

यह योजना वर्ष 1984 में प्रारम्भ की गई थी। इस योजना का संचालन भारत सरकार के अधीन डाक विभाग द्वारा किया जाता है। इसके अन्तर्गत मुख्यतः छः प्रकार की पालिसियाँ जारी की गई हैं-

1. **सुरक्षाः** इसे सम्पूर्ण जीवन सुरक्षा पालिसी के नाम से भी जानते है। इसके अन्तर्गत पालिसीधारक की मृत्यु अथवा उसकी 80 वर्ष की आयु होने पर उसको बीमित राशि और बोनस का भुगतान दिया जाता है।
2. **सुविधाः** यह पालिसी परिवर्तनीय सम्पूर्ण जीवन बीमा के नाम से भी जानी जाती है। इसमें व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन बीमा और बन्दोबस्ती बीमा के मध्य परिवर्तन की सुविधा पालिसीधारक को प्राप्त होती है।
3. **सन्तोषः** इस पालिसी को बन्दोबस्ती आश्वासन के नाम से भी जानते हैं। इसमें बीमा की परिपक्वता अवधि पर बीमित राशि और बोनस का भुगतान बीमित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है अथवा बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर बीमित राशि का भुगतान उसके उत्तराधिकारी को प्रदान किया जाता है।
4. **सुमंगलः** इसे प्रत्याशित बन्दोबस्ती आश्वासन भी कहा जाता है। इस पालिसी के अन्तर्गत भी बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर अथवा पालिसी की परिपक्वता तिथि पर बीमित राशि और बोनस का भुगतान किया जाता है।
5. **युगल सुरक्षाः** इसे सयुक्त जीवन आश्वासन पालिसी भी कहते है। इस पालिसी में दो लोगों के जीवन की सुरक्षा होती है। इसमें दोनों में से किसी एक की मृत्यु होने पर बीमित राशि का भुगतान जीवित व्यक्ति को किया जाता है।
6. **बाल नीतिः** यह पालिसी बच्चों के लिए जारी की गई है। इस पालिसी में पालिसी की परिपक्वता पर अथवा उसकी मृत्यु होने पर बीमित राशि और बोनस उसके परिवार के नामित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है।

इस पालिसी पर धारा 80 सी के अन्तर्गत कर लाभ भी प्रदान किया जाता है। कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 19 वर्ष से 55 वर्ष तक है वह इस पालिसी को लेने के लिए पात्र है। पालिसी लेने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड और फोटो आदि प्रपत्रों की आवश्यकता होती है। इस पालिसी के अन्तर्गत केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन संचालित समस्त विभागों के कर्मचारियों, रक्षा मंत्रालयों के कर्मचारी, निगमों तथा विश्वविद्यालयों एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों के शिक्षक, ग्रामीण बैंके के सभी नियमित कर्मचारी, अनुबन्ध के आधार पर नियुक्त कर्मचारी आदि लाभ ले सकते हैं।

ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना : इसे रूरल पोस्टल लाइफ इंश्यरेंस (आरपीएलआई) के नाम से भी जानते हैं। इस योजना की शुरूआत 24 मार्च 1995 को की गई। यह एक प्रकार का बीमा है जिसे विशेष रूप से ग्रामीण जनता के लिए ही तैयार किया गया है। इसके द्वारा ग्रामीण जनों को अपने जीवन के विभिन्न जोखिमों को कवर करने में मदद मिलती है। इस बीमा योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के भविष्य को सुरक्षित कर उनके जीवन को आरामदायक और खुशहाल बनाना है। इसके साथ ही योजना से मुख्यतः समाज के कमजोर वर्ग के लोगों, महिलाओं और श्रमिक वर्ग को लाभ प्रदान किया जाना है।

देश में सभी बीमा योग्य व्यक्तियों तक पहुँचने और उन्हें उचित प्रीमियम पर मृत्यु के पश्चात उनके पारिवारिक सदस्यों को अर्थात नामित व्यक्ति को पर्याप्त आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से जीवन बीमा की शुरूआत की गई है। ग्रामीण डाक जीवन बीमा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लाभ हेतु जारी की गई भारत सरकार की योजना है। इस बीमा योजना में लाभार्थी को कम प्रीमियम पर अधिक लाभ प्रदान किया जाता है। डाक जीवन बीमा पालिसी को किसी भी डाकघर से लिया जा सकता है।

□□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।

सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव